5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०००रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

Stamp duty Paid under I. S. Act 1899 Rs. 24560=00
Under Municipal Act 1959 Rs. ........ 3340=00
Under Development Act ...... Rs. ...... 3340=00

| | |
|---|---|
| नाम लेख्यकारी पिता का नाम वो वास स्थान आदि । | उमाचरण रूज पति स्व० वंशीधर रूज जाति मोदक पैशा खेती निवास स्थान दुमका टाउन तालुकघाट दुमका तपे बेलपता थाना सव० वो रजिष्ट्री आफिस दुमका जिजा दुमका ।भारतीय |
| नाम क्रेता पति का नाम वो निवास स्थान आदि । | श्रीमति अरूणा देवीसलमपुरिया पति श्री नागर प्रसाद सलमपुरिया जाति अग्रवाल पैशा आश्रित निवास स्थान दुमका टाउन थाना सव० वो रजिष्ट्री आफिस दुमका जिला दुमका । भारतीय । |

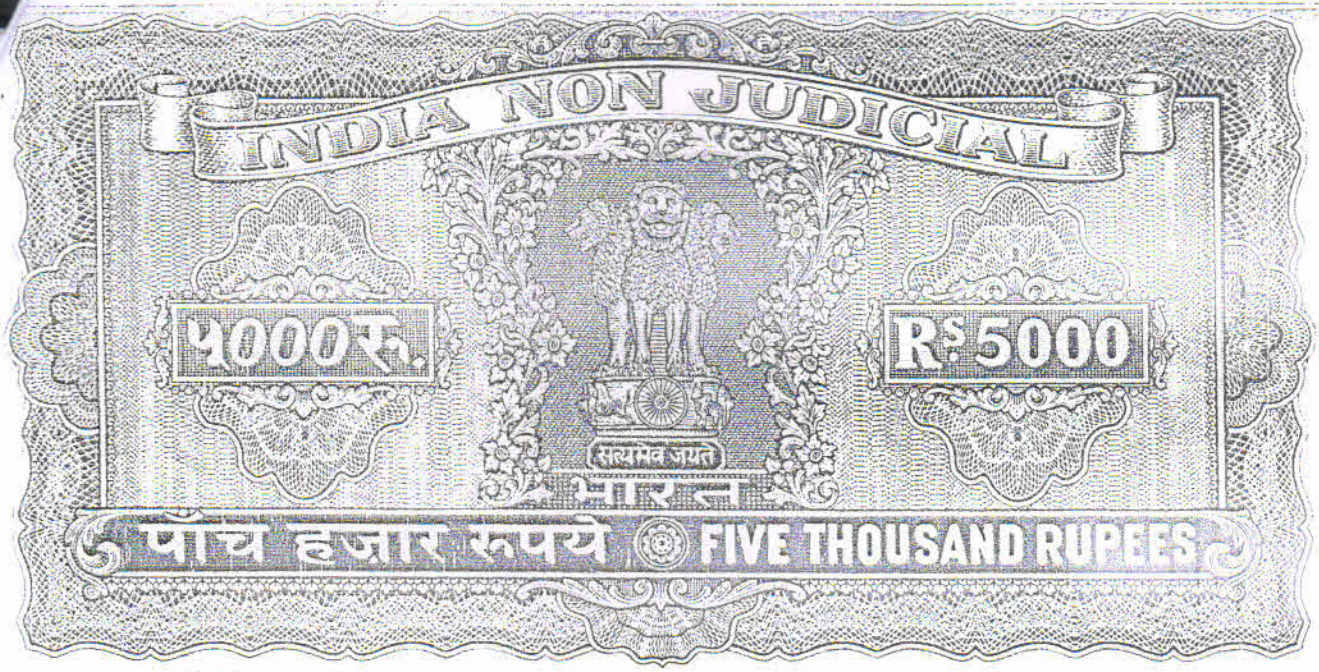

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES



लेख्य प्रकार:- बिक्रय पत्र सेल डीड ।

सम्पत्ति का मूल्य:- मो० 1,67,000-00 § एक लाख सड़सठ हजार § रूपया मात्र ।

सम्पत्ति का पूर्ण बिबरण जिसे बिक्रय करते हैं । § तफ्सील चौहदी का बसौड़ी भूमि परती जिसमें एक गोदाम नुमा मकान बना हुआ है वो उपर एक कोठरी बना हुआ है मय साज सरंजाम अगुवाड़ा वो पिछुवाड़ा जो चाहरदिवारी से घिरा हुआ है वाकै दुमका टाउन थाना न0 7 थाना सबडिबिजन वो रजिष्ट्री आफिस दुमका जिला दुमका तौजी न0 6 दुमका स्टेट के वाके हैं अन्दर दुमका नगरपालिका वार्ड न0 5 पुराना वो होल्डिंगन 0 163 पुराना वो नया वार्ड न0 9 नया होल्डिंग न0 166/206 बसौड़ी जमावन्दी न0 -2/9 खसरा दाग न0- 1391 रकवा 0-2-6 दो कटठा छः धुर सालाना खजाना 2 रूपया

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते
भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES



पोने 14 आना अलावे शेष आदि । जिसका चौहददी इस प्रकार है:-

उत्तर- गली बाद मकान अतुल चन्द्र मंडल ।

दक्षिण:- निवारण चन्द्र रूज का मकान ।

पूरब:- सरकारी लेडी डाक्टर का मकान ।

पश्चिम:- इसी मकान का भीज अंश रकवा 0-2-00 जिसे क्रेता ने क्रय किया है ।

बिदित होकि लेखकारी के पिता वंशीधर रूज वो चाचा नलीनाथ रूज ने धूलोट चन्द्र लायक पिता स्व0 मुकुन्द चन्द्र लायक निवास स्थान दुमका टाउन थाना दुमका टाउन वाले से बसौड़ी अराजी परती 0-4-6 चार कटठा छः धूर जिसका खजाना चार रुपया तैरह आना नौ पाई है एवं जिसका दाग न0 1391 वाके मौजा दुमका टाउन थाना न0 7 का है इसीको क्रय किये थे जिस

Uma Charan Roy
13/12/96

5000Rs.

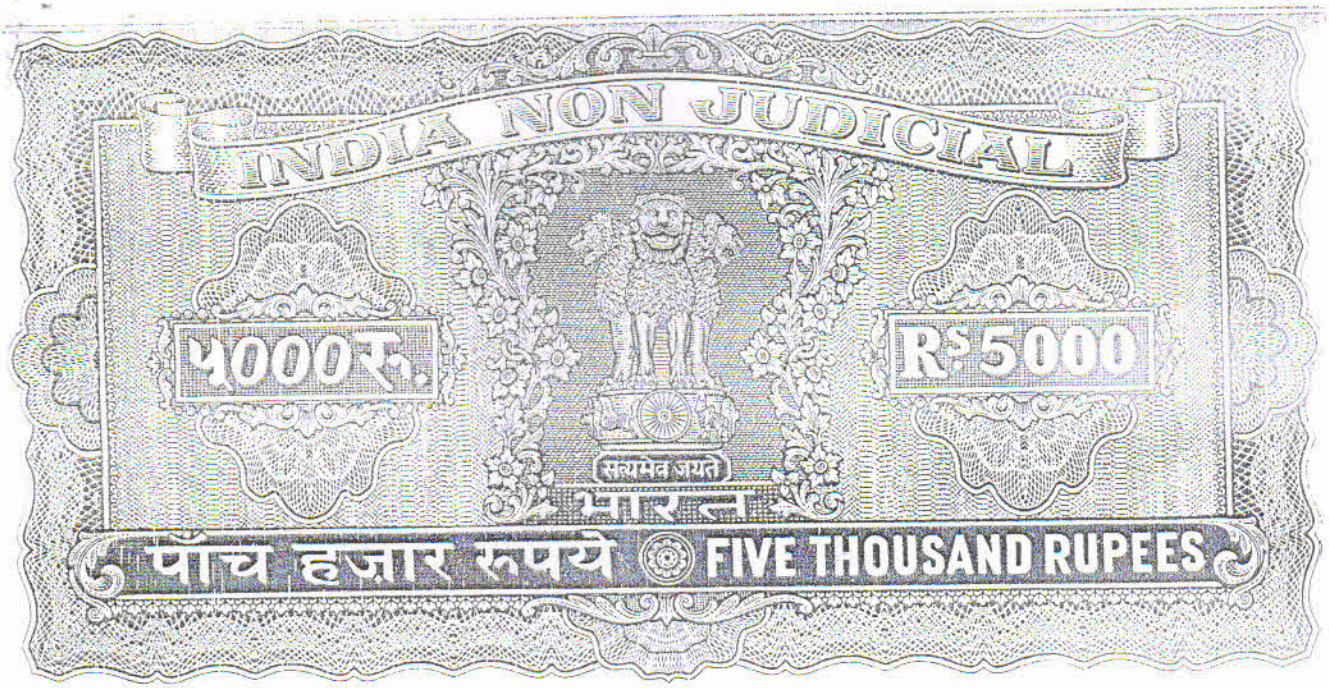




§4§ क्रमि

जिस बिक्रय पत्र की रजिष्ट्री दुमका रजिष्ट्री आफिस में हुई है जिसका पुस्तक संख्या । जिल्द संख्या । पृष्ट संख्या 516 से 517 में निबंधित जिसकी संख्या ।। सन 1943 ई0 है ।

यहकि क्रय करने के पश्चात यह सम्पत्ति आपसी बंटवारा में अकेले लेख्यकारी के पिता वंशीधर रूज को मिली हैवो उन्होंने अपना नाम अंचल कार्यालय, दुमका में दाखिल खारिज कराने के लिये आवेदन पत्र दिये एवं उक्त नलीनाथ रूज ने एक कीत्ता आवेदन पत्र अंचल कार्यालय दुमका में म्यूटेशन कैश न0 24/ 1961-62 में दिया थाकि उनका उपरोक्त सम्पत्ति से नाम हटा लिया जाय वो सिर्फ अकेले वंशीधर रूज के नाम से दाखिल खारीज कर दिया जाय ।

Uma Charan Rai
13/12/96

5000Rs.

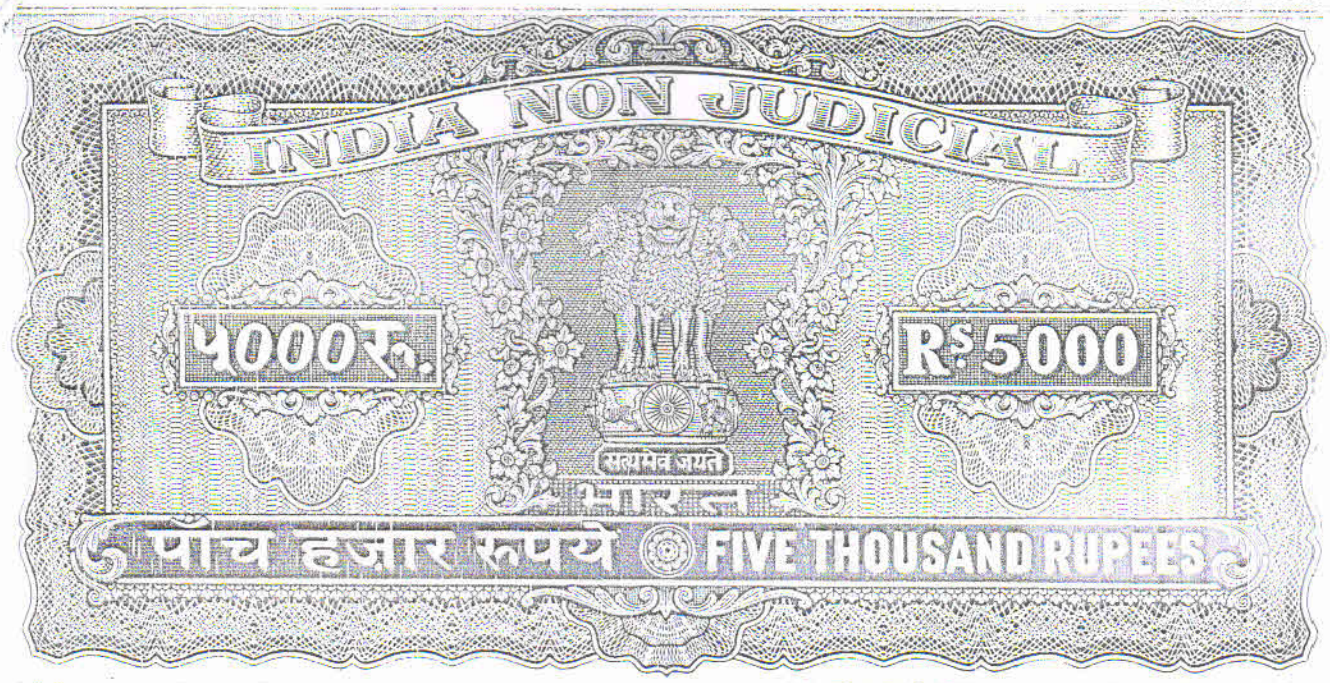

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

§5§

यहकि उक्त म्यूटेशन कैश नO 24/1961-62 में मिति 24-9-61 ई0 को आवेदक वंशीधर रूज के नाम से दाखिल खारीज की स्वीकृति प्रदान की गई एवं वंशीधर रूज ने अपना नाम अकैले उक्त सम्पत्ति के लेकर दाखिल खारीज करवा दिया ह एवं उसने गृहादि एवं चाहर दिवारी इत्यादि बनवाकर बसौवास करते चले आये उनके मृत्यु के पश्चात लेखयकारी उक्त सम्पत्ति के स्वामी हुए । लेखयकारी को दो बहन है जिन दोनों का नाम श्रीमति दुर्गा सैन पति डा0 अनि कुमार सैन मलारपुर वो श्रीमति गीता रानी दां पति स्व0 सुखेन्द्रनाथ दां साकिन दुवराजपुर है जो शादी शुदा हैं एवं अपने ससुराल में रह रही है । इन लोगों को इस वर्साड़ी सम्पत्ति से कोई वास्ता वो सरोकार नहीं है जैसा कि इनलोगों ने बिक्रय पत्र में ग्वाह स्वरूप अपना अपना हस्ताक्षर किया है । भविष्य में उनलोगों के तरफ से इस सम्पत्ति के लेकर किसी किस्म का उजुर वो आपत्ति

Uma Charan Roy
13/12/96.

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु.

Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES



अगर कोई करे तो इसका उत्तर देने का उत्तरदायित्व हम लेख्यकारी उमाचरण रूज पर होगी वो वैसे हालत में लेख्यकारी मय वारिसान हरजा वो खसारा का दायेदार होंगे ।

यहकि सम्पत्ति पुराना हैएवं उसके जीर्णोधार किये वगैर कोई भी व्यक्ति यहां तक की आज कल के जमाने में किराया पररहने के लिये भी प्रस्तुत नहीं है हलांकि यह सम्पत्ति दुमका टाउन के मयरापाड़ा रोड दुर्गा मुडप के नजदीक मकान बना हुआ है ।

यहकि अर्थाभाव के कारण लेख्यकारी उपरोक्त मकान का जीर्णोधार नहीं करा पा रहे हैं और इसमें दिन बदिन क्षति हो रहा है । इस लिये यह उचित वो आवश्यक समझा गया कि उरोक्त वसौड़ी सम्पत्ति को बिक्री कर दिया जाय तथा उक्त मूल्य से अन्य व्यवसाय किया जाय । इसलिये लेख्यकारी ने उक्त सम्पत्ति को विक्रय करने की

Uma Charan Roy
17/12/96.

1000 Rs.

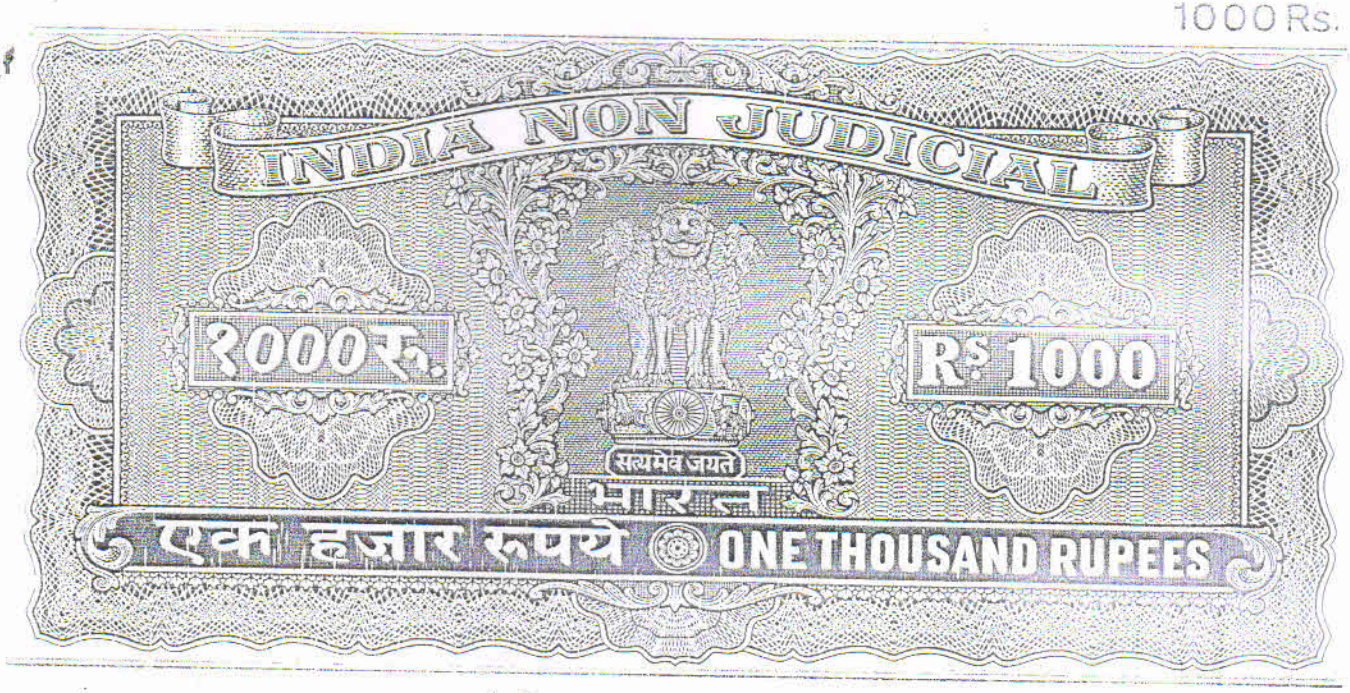

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES



इच्छा प्रगट की दो जमीन का कीमत मो0 1,15,000 एवं गोदामनुमा मकान तथा चाहरदिवारी आदि का कीमत मो0 52,000-00 कुल टोटल कीमत मो0 1,67,000-00 रूपया में बिक्री करने का सोहरत किया । लेखयकारी के इस इरादा को जानकर क्रेता श्रीमति अरूणा देवी सलमपुरिया तथा इनके अभिभावको ने उक्त सम्पत्ति को देखी एवं मो0 1,67,000-00 रूपया मूल्य में क्रय करने के लिये प्रस्तुत हुए यह कीमत इस समय का बाजार का सर्वोच्च मूल्य है एवं लेखयकारी ने भी उक्त मूल्य में उक्त सम्पत्ति को क्रेता श्रीमति अरूणा देवी सलमपुरिया को विक्रय कर देने के लिये प्रस्तुत हुई । इस लिये लेखयकारी अपने खुशी राजी से प्रसन्नचीत स्वस्थ मस्तिष्क की दशा में रहकर बैला जबर दबाब धो बहकाव किसी दूसरे के उक्त क्रेता श्रीमति अरूणा देवी सलमपुरिया निवास स्थान दुमका टाउन वाली से कीमत का मो0 1,67,000-00 रूपया नगदी पाकर उपर वर्णित

Uma Charan Roy
13/12/96

100Rs.

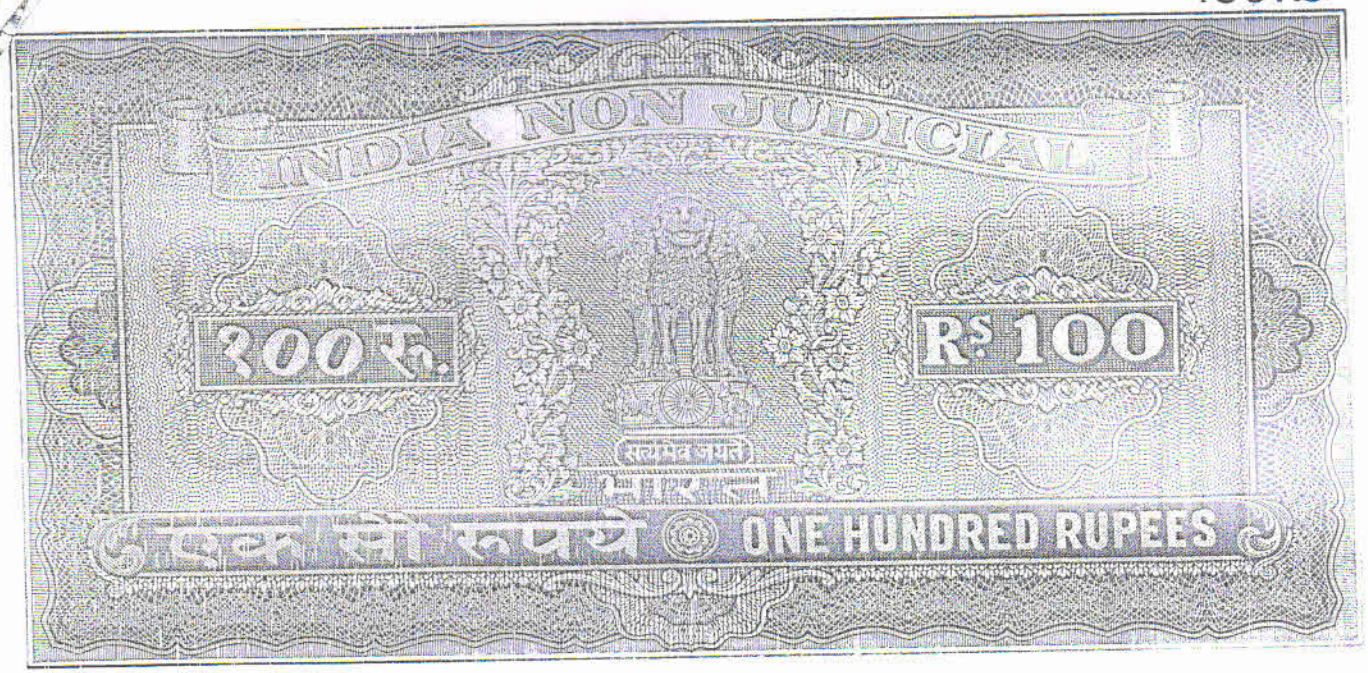






इस दलील के खाना न0 5 की बसौड़ी सम्पत्ति को आप क्रेता महोदया को बिक्रय कर दिया तथा उक्त सम्पत्ति के उपर आप क्रेता महोदया को आज की तिथि से कब्जा ठीक अपने तुल्य करवा दिया । इस सम्पत्ति लेखयकारी को आज तक जिस किस्म का स्वत्व स्वामित्व वो अधिकार आज तक प्राप्त था अथवा जो कुछ भविष्य में प्राप्त होता वह सब ठीक उसी प्रकार आप क्रेता महोदया के आज की तिथि से प्राप्त हो गया ।

अब आप क्रेता महोदया आज की तिथि से उक्त सम्पत्ति के उपर काबिज वो दखलकार होकर वो रहकर पुस्त दर पुस्त भोग दखल किया करें तथा इच्छानुसार दान विक्रय आदि करें इसमें हम लेखयकारीमय वारिसान को किसी किस्म का उजुर वो आपत्ति भविष्ये में नहीं होगाऔर न कर सकेंगे करने से वह नाजायज समझा जायगा ।

Uma Charan Roy
13/12/96.

100Rs.

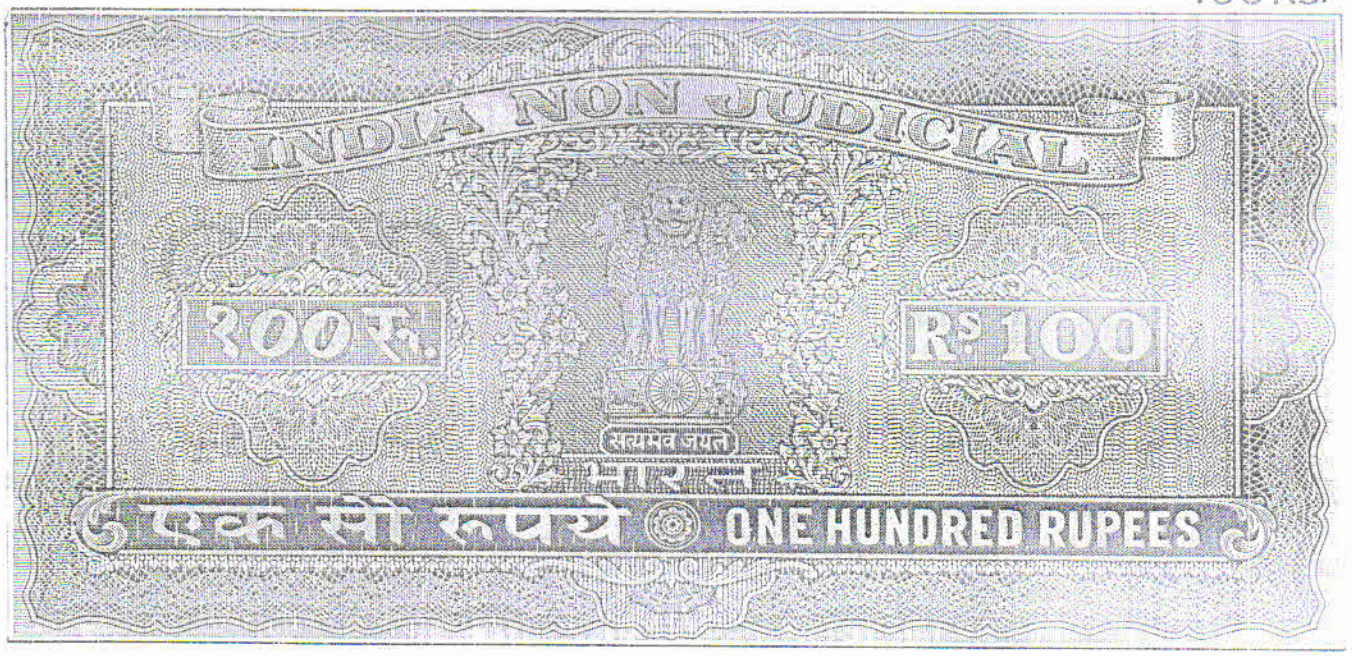

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

Uma Charan Roy 13/12/96.

(९)

यह सम्पत्ति हरेक वारदेन से पाक वो साफ है इसमें किसी किस्म का ऋण आदि नहीं है अगर भविष्य में ऐसा कुछ पाया जाय तो जिसके कारण आप क्रेता मय वारिसान को इस सम्पत्ति से अथवा इसके किसी अंश से बेदखल हो जाना पड़े तो वैसे हालत में हम लेख्यकारी मय वारिसान कुल मूल्य व्यय व्याज सहित आप क्रेता महोदया मय वारिसान को लौटा देने केलिये कानूनी वाध्य रहेंगे एवं कानूनीय दण्डनीय भी होंगे कहने का मतलब यह है कि सम्पत्ति सभी प्रकार से स्वच्छ है ।

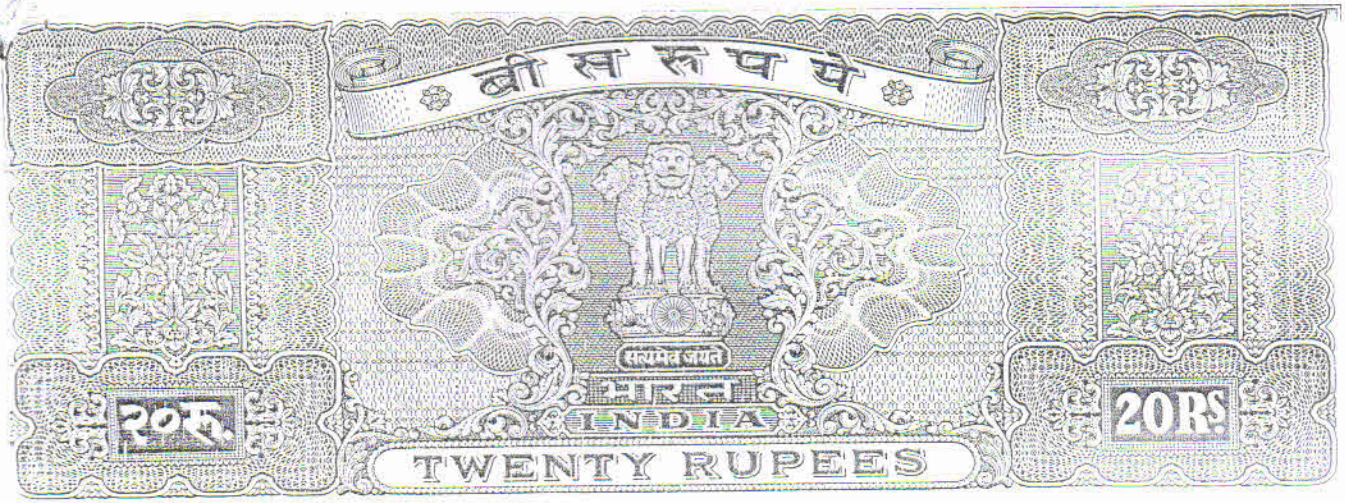

20 Rs.

बीस रूपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

२०रू. 20RS

TWENTY RUPEES

Uma Charan Roy
13/12/96

§10§

मूल्य का सम्पूर्ण रूपया क्रेता महोदया से

कुछ भी बांकी नहीं रहा भविष्य में मूल्य न पाने का बारें में

उजुर वो आपत्ति करें तो वह नाजायज होगा ।

यहकि इस सम्पत्तिको सम्पुष्टिकरण हेतु अगर

भविष्य में और भी दलील दस्तावेज आदि की रजिष्ट्री करने की आवश्यकता

हो तो वैसे हालत में लेख्यकारी मय वारिसान आप क्रेता मय वारिसाने के

खर्च से उस प्रकार का दलील आदि की रजिष्ट्री करने के लिये कानूनी हमेशा

तैयार रहेंगे ।

अब आप क्रेता महोदया को चाहिये कि उक्त

20 Rs.

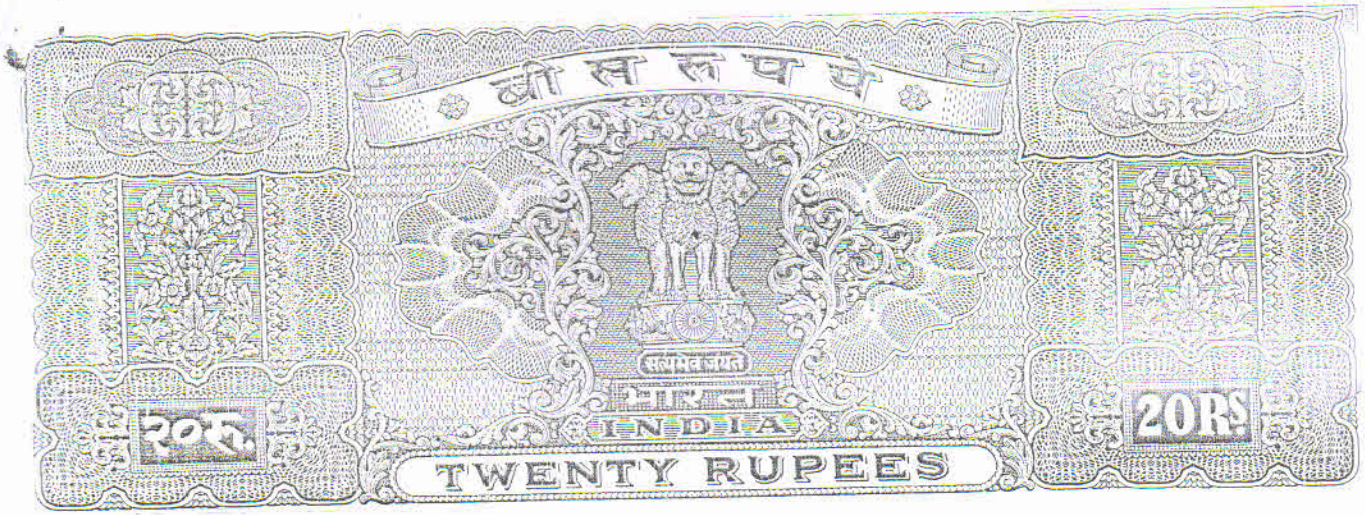

बीस रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

२० रु. TWENTY RUPEES 20 RS.

॥ 11 ॥

सम्पत्ति के लेकर अंचल कार्यालय, दुमका में आवेदन पत्र देकर अपना नाम दाखिल खारीज करवा ले ंगी तथा सालाना खजाना नाम से अपनी दिया करेंगे एवं उक्त होल्डिंग को लेकर नगरपालिका दुमका के कार्यालय में भी अपना नाम दर्ज करवा लेंगी तथा नगरपालिका कर आदि नाम से अपनी दिया करेंगी ।

यह सब एकरार कर देकर यह बिक्रय पत्र दलील बहक आप क्रेता श्रीमति अरूणा देवी सलमपुरीया पति श्री नागर प्रसाद सलमपुरिया निवास स्थान दुमका टाउन थाना वो जिला दुमका वाले के प्रति तहरीर वो तामील कर दिया जो प्रमाण रहे तथा समय पर काम आवे ।

नोटः- यहकि उक्त होल्डिंग के लेकर जिस कदर का नगरपालिका कर एवं सालाना खजाना अंचल कार्यालय दुमका एवं बिजली बिल आदि जो कुछ आज तक का बकाया था वह सब कुल लेखयकारी आज तक का चुकता कर दिया है किसी प्रकार का पावना नहीं है ।

इति आज तारीख १३-१२-१९९६

टंकित किया।
भोला सिंह १३/१२/९६ ई.
दुमका कोर्ट।

टंकित की हुई इस बिक्रय पत्र के मजमून को पढ़कर लिखयकारी को सुना समझा दिया है, जिन्होंने सुनकर एवं स्वयं पढ़कर और सामने अपना दस्तखत किये हैं।

का. रमेश प्र. सिन्हा, डीडराइटर
सा: दुमका टाउन / ता. १३/१२/१९९६ ई.

Use Elsewhere Void
13/12/96

जा – दुमका टाउन नं० -7
दारी सर्किल – दुमका
ाना – दुमका नगर
अनुमंडल वो जिला – दुमका

जमाबन्दी - दाग नं० - रकबा
नं० 219 - 1391/अंश - वी० - कट्ठा - धुर
00 - 02 - 06
(दो कट्ठा छः धुर)

श्रीमती अरूणा देवी सलमपुरिया पति नागर प्रसाद सलमपुरिया निवास स्थान - दुमका टाउन सबडीवीजन वो थाना वो रजिस्ट्री ऑफिस दुमका जिला दुमका




चौहद्दी

उत्तर – गली बाद मकान अतुल चंद मंडल का मकान

दक्षिण – निवारण चंद रूज का मकान

पुरब – सरकारी लेडी डाक्टर का मकान

पश्चिम – इसी मकान का अंश